**दुनिया भर में ब्रह्माकुमारीज ने फैलाया विश्व शांति का संदेश - डा0 पौला फेल्लिगहम**

**मैराथन विजेताओं को किया पुरस्कृत**

आबू रोड, 26 अगस्त, निसं। भारत की संस्कृति में लोगों के संरक्षण की बहुत बड़ी शक्ति है। ब्रह्माकुमारीज संस्थान ने पूरे विश्व में विश्व शांति का संदेश फैलाया। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा भी संस्थान को अन्तर्राष्ट्रीय शांतिदूत का पुरस्कार मिलना इस बात का सबूत है। उक्त उदगार **संयुक्त राष्ट्र संघ से आयी ग्लोबल इनिशियेटिव फाउण्डेशन की संस्थापक डा0 पौला फेल्लिगहम** ने व्यक्त किये। वे ब्रह्माकुमारीज संस्था की पूर्व मुख्य प्रशासिका

राजयोगिनी दादी प्रकाशमणि की दसवीं पुण्य तिथि के अवसर पर बोल रही थी।

उन्होंने कहा कि दादी प्रकाशमणि के नाम पर आज भी दस जून को वाशिंगटन डीसी दादी डे मनाया जाता है, जहॉ पर वृक्षारोपण किया जाता है। संयुक्त राष्ट्र संघ में द्वारा पीस के लिए किये जा रहे कार्य में ब्रह्माकुमारीज का महत्वपूर्ण योगदान रहता है। यहॉ दुनियाभर से लोग आये है। श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए विश्व शांति की कामना करती हूॅं।

**ब्रह्माकुमारीज संस्था की संयुक्त मुख्य प्रशासिका राजयोगिनी दादी रतनमोहिनी** ने कहा कि दादी का जीवन दीन दुखियों की सेवा में गुजरा। कई आदिवासी परिवारों के बच्चे आज भी बेहतरीन और मूल्यनिष्ठ जीवन जी रहे है। नशे के खिलाफ अभियान लगातार चलाती थी।

**भूमि सुधार न्यास के चेयरमैन सुरेश कोठारी** ने कहा कि ब्रह्माकुमारीज संस्थान लोगों की सेवा में तत्पर रहता है। इसके साथ ही मूल्यों की रक्षा के लिए हमेशा अनेक प्रकार के अभियानों का आयेाजन करता है। जिससे सिरोही जिले का नाम दुनिया भर में रोशन होता है। **आबू रोड पालिका चेयरमैन सुरेश सिंदल** ने कहा कि हमारा प्रयास है कि संस्था के साथ मिलकर शहर को साफ सुथरा और बढिया बनाया जाये।

कार्यक्रम में संस्था के **कार्यकारी सचिव बीके मृत्युंजय,** शांतिवन के मुख्य अभियन्ता बीके भरत, दिल्ली पाण्डव भवन से आयी बीके पुष्पा, मुम्बई से आयी बीके दिव्या समेत कई लोगों ने अपने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन बीके बिन्नी ने किया।

**विजेताओं को किया पुरस्कारित:** इस दौरान दादी प्रकाशमणि अन्तर्राष्ट्रीय मैराथन के दौरान आठ किमी मैराथन में विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किया गया। जिसमें श्रवण समीरा रामजी सांतपुर को प्रथम विजेता को साईकिल, दानवाव के सुरेश कुमार नाथूराम को द्वितीय पुरस्कार सुटकेस दिया गया। बालिकाओं में काली शंकरीयल तथा द्वितीय मोदनी गोवाजी को पुरस्कृ त किया गया। यह पुरस्कार उपस्थित अतिथियों द्वारा दिया गया।

फोटो, 26एबीआरओपी, 1, 2, 3, 4 कार्यक्रम को सम्बोधित करते अतिथि, सभा में उपस्थित लोग, पुरस्कार के साथ विजेता तथा बच्चे।